Sajan Kumar

Kobber's View of Mountain Building

कोबर महोदय संकुचन सिद्धान्त के समर्थक रहे है। इन्होने पर्वत निर्माण संबंधी सिद्धान्त "Der Bouder Erde" नामक पुस्तक में व्यक्त किया है। कोबर महोदय के अनुसार संकुचन क्रिया पृथ्वी की उत्पत्ति के बाद से निरंतर होती रही है। ज्यों-ज्यों पृथ्वी ठंडी होती जा रही है त्यों त्यों संकुचन की क्रिया बढ़ती जा रही है। [उनकी प्रमुख धारणा यह है कि प्राचिनतम स्थिर भूखंड तथा गतिशील क्षेत्र से है।] प्राचिनतम स्थिर भूखण्ड पर ऐसे नौ (09) भूखण्डों की पहचान की है। वे स्थिर भूखण्ड निम्न है:-

(i) साइबेरियन भूखण्ड
(ii) रूसी प्लेटफार्म
(iii) चीनी भूखण्ड
(iv) भारतीय प्रायद्वीप
(v) प० आस्ट्रेलिया
(vi) ब्राजील का पठार
(vii) कनाडा का पठार
(viii) अफ्रीकन प्लेटफार्म
(ix) अंटार्कटिका

उपरोक्त सभी भूखण्ड न केवल अत्यंत प्राचीन काल के है साथ ही चट्टाने पुरानी है। इन चट्टानों में चट्टाने वलित तथा उसमें बड़े पैमाने पर भ्रंश और अग्नेय अन्तर्भेदन हुआ है। यद्यपि इस स्थिर भूखण्ड का क्षेत्रिय विस्तार कम है परन्तु बाद के कल्प में नए चट्टानों के जुड़ जाने से बहुत अधिक विस्तार हुआ है। स्थिर भूखण्डों के लिए कोबर महोदय ने क्रेटोजेन शब्द का प्रयोग किया है। कोबर महोदय के अनुसार जहाँ आज पर्वत है वहाँ पहले भूसन्नतियाँ था। भूसन्नतियों को उन्होंने पर्वत निर्माण स्थल बताया है।

भूसन्नतियाँ

संकुचन भूसन्नति

PAGE NO.
DATE
WWW.CONNECTSCHOOL.COM

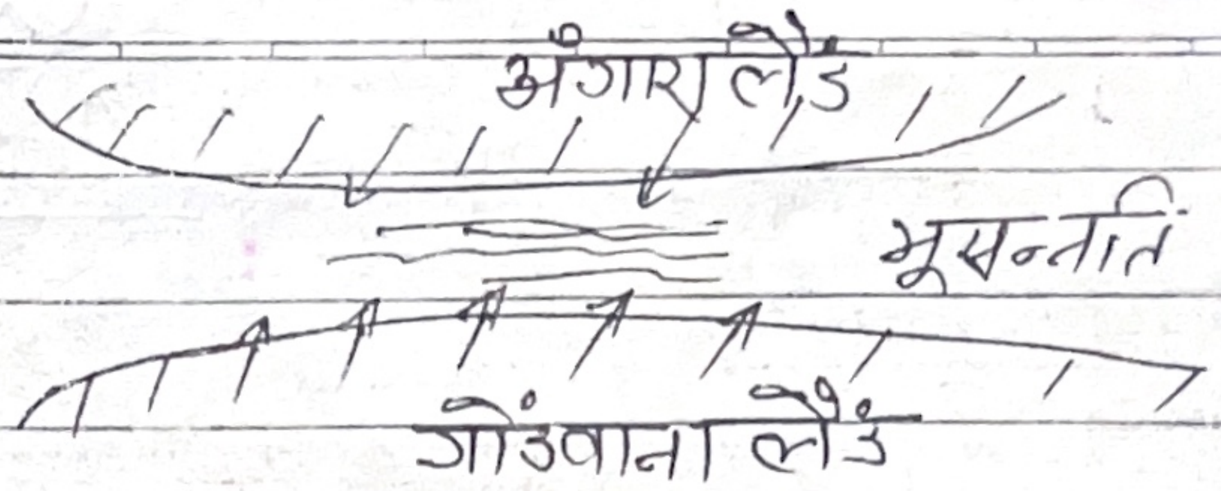

Fig(1)

हेग महोदय ने ऐसे पर्वत निर्माण स्थल या भूसन्नति को संकीर्ण द्रोणी (अर्थ) माना था किन्तु कोबर के अनुसार भूसन्नति काफी लम्बी-चौड़ी और विस्तृत द्रोणी है। कोबर के अनुसार प्रत्येक भू-सन्नति के दोनों छोर पर स्थिर भूखंड होते हैं जिन्हें कोबर ने Foreland तथा Hinterland कहा है। इन दृढ़ भूखण्डों पर अपरदन क्रिया के कारण हमेशा अवसादों का जमाव होता रहता है। अत्यधिक जमाव के कारण (जमाव एवं अत्यधिक बाढ़ आने के कारण) यह धीरे-धीरे दबते चले जाते हैं जिसका मुख्य कारण भूसन्नति में अधिक भार का होना है। इसे निम्न चित्र से दिखाया गया है:-

Fig (2) भूसन्नति में अवसादों का दबाव

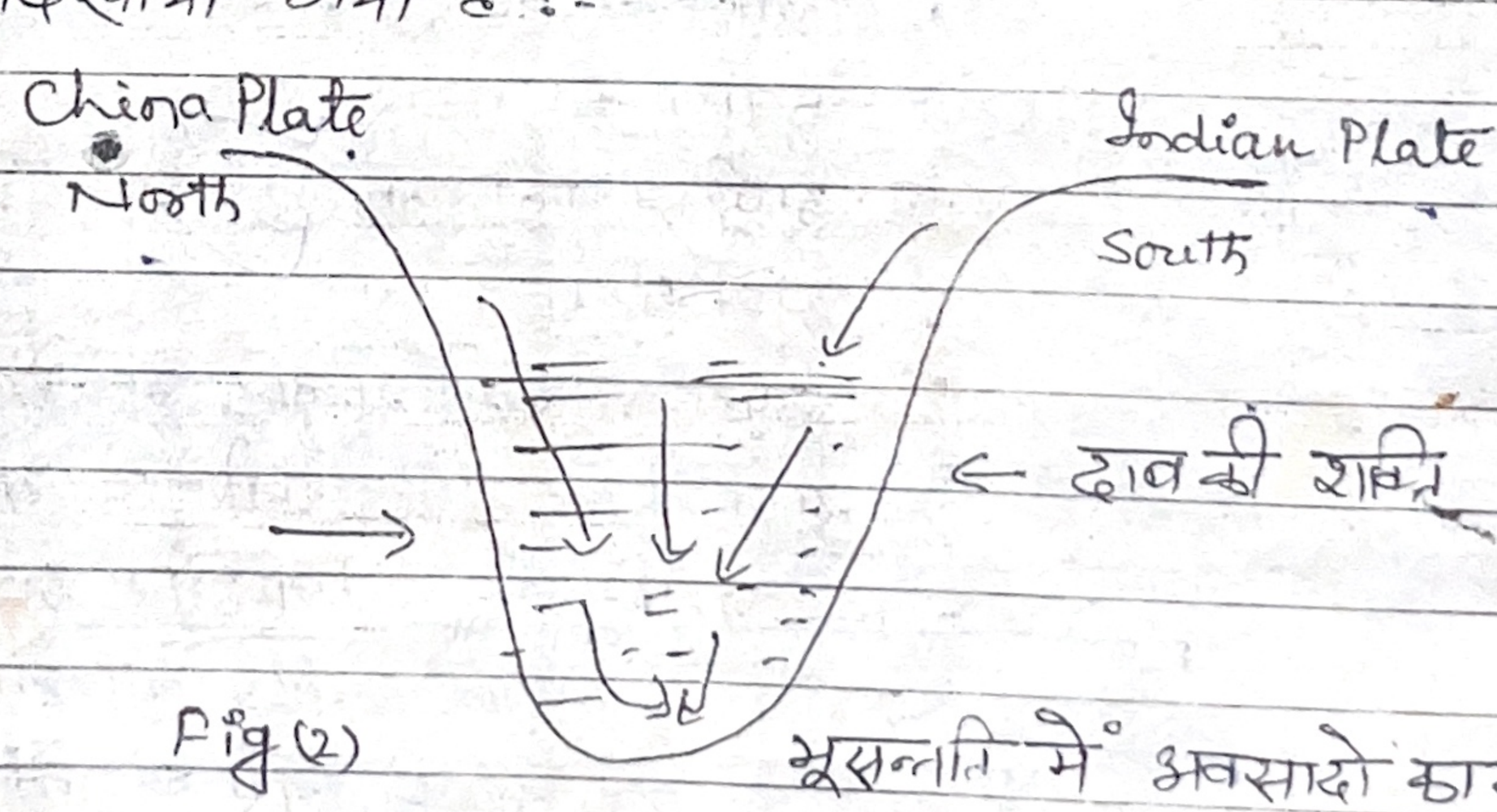

धीरे-धीरे इस दबाव के कारण Fore land तथा Hinterland के दोनों छोरों पर मोड़ ~~के कारण~~ पैदा होने लगते हैं तथा दबाव के और अधिक बढ़ जाने के कारण मुड़ा हुआ भाग और ऊपर की ओर

उठने लगता है और पर्वत का रूप धारण कर लेता है Foreland तथा Hinter land दोनों तरफ उत्पन्न ऐसे पर्वतों को कोबर ने सीमित श्रेणी Border land या Randketten कहा है। दो Randketten के बीच एक विस्तृत भू-भाग जो Foreland के प्रभाव से अप्रभावित रहता है इसे Median Mass अथवा Zwischenberg कहा है।

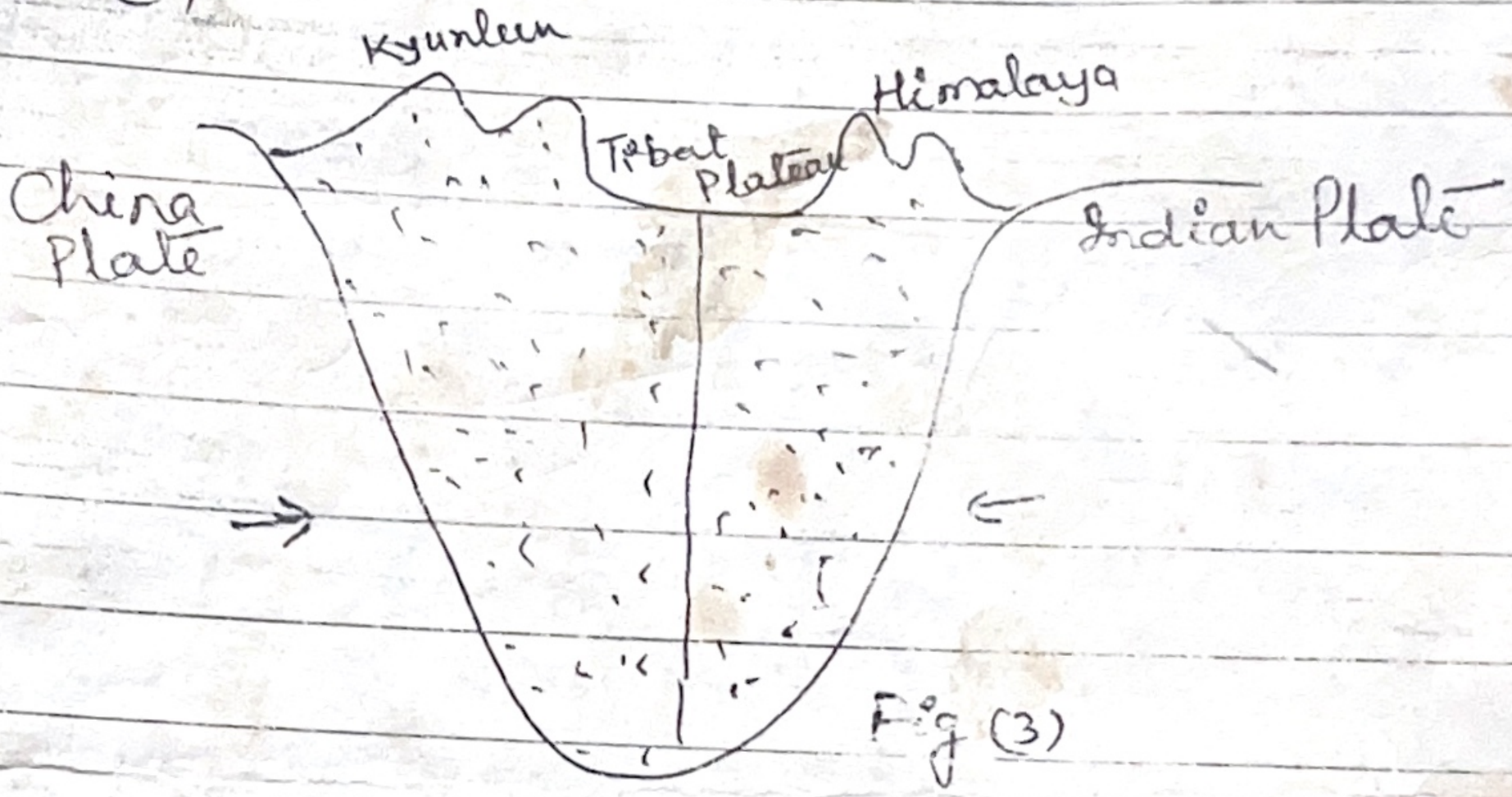

Fig (3)

कभी-कभी Foreland का दबाव इतना तीव्र होता है कि Borderland एक दूसरे के निकट आ जाते है तथा एक दूसरे से बिल्कुल मिल जाते है। इससे मध्य पिंड बिल्कुल लुप्त हो जाता है। ऐसे पर्वतों को Norbe कहा जाता है।

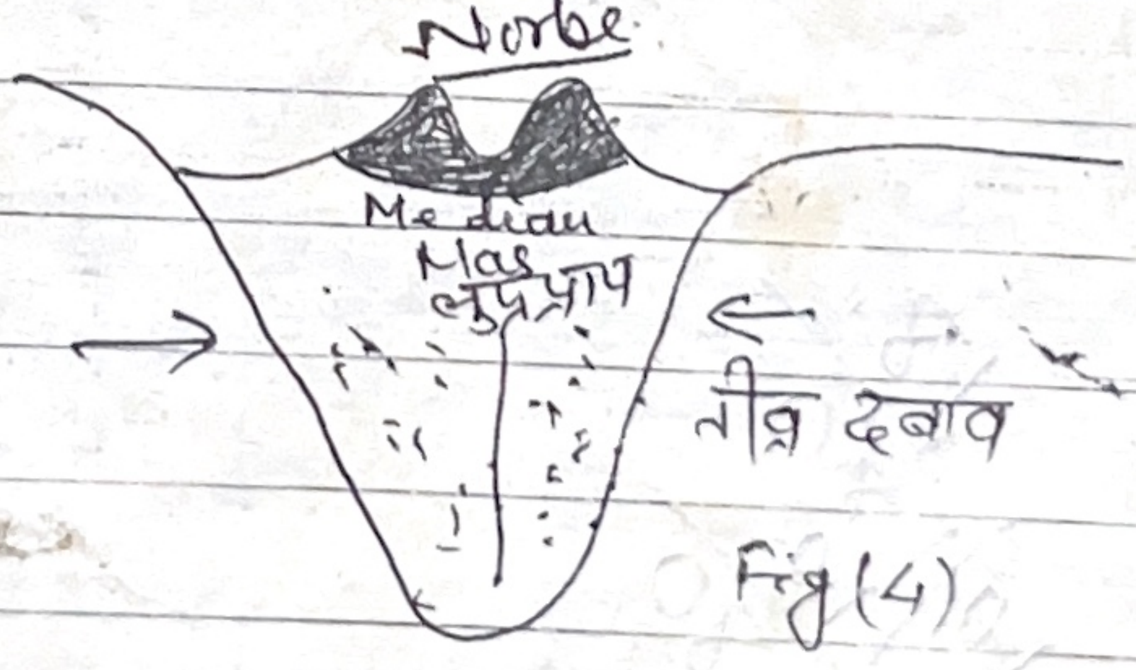

Fig (4)

कोबर महोदय ने यह सिद्धान्त यूरोप की पर्वत श्रेणियों के अध्ययन के पश्चात दिया। कोबर के सिद्धान्त के अनुसार Alps तथा Atlas की उत्पत्ति संकुचन के आधार पर हुई है।

WWW.CONNECTSCHOOL.COM

Fig(5)

18
80
10
10
80
80/8
11